मनसा सेवा के विविध क्षेत्र

ब्रह्माकुमारीज़
प्रस्तुति

ब्र.कु. प्रफुल्लचन्द्र

मनसा सेवा

- फरिस्ता अवस्था
- बीजरूप अवस्था

- बाबा को साथ रख रिले करना
- व्यक्तिगत रूप से प्रसारण करना

मनसा सेवा के विविध क्षेत्र

- प्रकृति के पांच तत्त्व
- मनुष्य आत्माएं
- मृत आत्माएं
- अन्य योनी की चेतनाएं
- विनाशकारी आपदाएं

प्रकृति के पांच तत्वों की सेवा

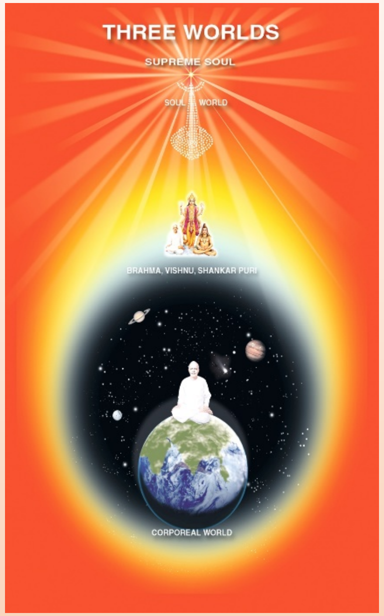

पृथ्वी: जो ब्रह्माण्ड के सभी घन पदार्थों का प्रतिनिधित्व करती है

जल: जो ब्रह्माण्ड के सभी प्रवाही पदार्थों का प्रतिनिधित्व करता है

वायु: जो ब्रह्माण्ड के सभी वायुरूप पदार्थों का प्रतिनिधित्व करता है

अग्नि: जो ब्रह्माण्ड की सभी भौतिक शक्तिओं का प्रतिनिधित्व करता है

आकाश: जो ब्रह्माण्ड के समग्र अंतरिक्ष का प्रतिनिधित्व करता है

धरतीपर के जीवात्माओं की सेवा

सृष्टि के समग्र जीवात्माओं की सामान्य रूप में सेवा

जीवात्माओं के कोई विशिष्ट समूह की सेवा

व्यक्तिगत जीवात्मा की सेवा

मृत आत्माओं की सेवा

समग्र मृत आत्माओं की सामान्य रूप में सेवा

मृतात्माओं के कोई विशिष्ट समूह की सेवा

व्यक्तिगत मृत आत्मा की सेवा

अन्य योनीओं की चेतनाओं की सेवा

पशु

पक्षी

कीड़े

सूक्ष्म जीवाणु

आपदा एवं समस्या समय की सेवा

कुदरती आपदाएं:-

धरतीकंप; अतिवृष्टि अनावृष्टि; दुष्काळ; चक्रवात; आगजनी; सुनामी

पर्यावरण की समस्याएँ:-

हवा-पानी-धरती-ध्वनी का प्रदुषण; ग्रीन हॉउस इफेक्ट; ग्लोबल वोर्मींग; ओजोन स्तर का फटना; जंगलो का उन्मूलन इत्यादि

मनुष्य सर्जित अन्य समस्याएँ:-

विश्वयुध्ध, सांप्रदायिक दंगा, आन्तर्विग्रह,

धन्यवाद
ॐ शान्ति